३०/९२७

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २०१४)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रारंभ**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - चतुर्थ संस्करण, नवम्बर - २०११

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''एक दिन एक बादशाह के साथ हुई लड़ाई में हम सभी लोग मर गए ।'' (४१) २. ''आज रसोई की इतनी जल्दी नहीं है ?'' (२०)
३ ''मेरी बीमारी बढ़ती जा रही है ।'' (८९)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. घनश्याम ने कौन से पेड़ पर चढ़कर चिड़ियाँ को देखा ? (३१) २. दोंनो मौसियों आई तब घनश्याम कहाँ गये थे ? (७३)
३. धर्मदेवजी अयोध्या के कोन से मुहल्ले में रहने लगे ? (३२) ४. सभी के लिए स्वादिष्ट रसोई किस ने तैयार की ? (७५)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों की पिटाई :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।
उत्तर : बन्दरों की पिटाई :- अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर पूड़ी झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **नाई को चमत्कार :** भक्तिमाता, घनश्याम को गोद में लेकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठ गई । कानजी ने अपना उस्तरा उठाया और घनश्याम के बाल उतारने लगा । (२३)
२. **घनश्याम का यज्ञोपवीत संस्कार :** बालप्रभु घनश्याम की उम्र लगभग सात वर्ष की हो चुकी थी । भाई-भाभी ने उन्हें यज्ञोपवीत देने का निश्चय किया । (६८)
३. **ठण्डे जल से चेचक की बीमारी गई :** घनश्याम की यह लीला देखकर सुवासिनी भाभी और भक्तिमाता को लगा कि निश्चित रूप से यह बालक स्वयं भगवान ही हैं । (२८)
४. **सारी रसोई खा गए :** जन्माष्टमी का उत्सव धर्मदेव ने अपने घर बड़े धूमधाम से मनाने का निश्चय किया । उन्होंने निमंत्रण पत्रिका लिखकर अपने सारे परिवार को छपिया बुला लिया । (७५)

प्र.४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (विवरण आवश्यक नहीं है ।) [५]

१. पत्थर पर यात्रा (७२-७३) २. महावत की रक्षा (५६-५७) ३. घनश्याम का गृहत्याग (८९-९०)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. कालिदत्त मृत्यु की शरण में (२५)
(१) ☐ मीन सरोवर (२) ☐ आम का वन
(३) ☐ बवण्डर (४) ☐ बरसात

२. प्रभु का नामकरण (१५)
(१) ☐ दो मास (२) ☐ सहजानंद
(३) ☐ नीलकण्ठ (४) ☐ कर्क राशि

३. अन्धे को आँखें दीं (८४)
(१) ☐ हनुमान मन्दिर (२) ☐ विद्याकुण्ड मन्दिर
(३) ☐ ब्रजविहारीजी (४) ☐ भागवत कथा

४. जमात को भोजन, अभिमान का नाश (६१, ६२, ६३)
(१) ☐ दस हज़ार साधु-संन्यासि (२) ☐ खापां तलैया
(३) ☐ बाघाम्बर (४) ☐ हम क्षमा माँगते हैं

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. चंदामौसी ने घनश्याम को भीतरवाले कमरे में सुला ने के लिए कहा । (२७)
२. बालमित्रो शाम तक खेलने के लिए सहमत हो गए । (५९)
३. धर्मदेव ने मार्कण्डेय मुनि को पुत्र का नामकरण करने को कहा । (१४-१५)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''शास्त्रीजी महाराज गए नहीं हैं, 'चले गए' यह मानना ही नहीं चाहिए ।'' (३६)
२. ''कृपया उन्हें मेरे पास बुलाइए ।'' (१९)
३. ''ठाकुरजी की सेवा की चिन्ता आप बिल्कुल न करें, वह काम अब मैं करुँगा ।'' (७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रारंभ**''परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. कोन से गाँव में झीणा भगत के पैर में गरासिया हरिभक्त ने ऊध्वरेखा के दर्शन किए ? (१५)
२. झीणाभाई फुरसत के समय में क्या करते थे ? (७)
३. योगीजी महाराज ने कौन से दो शिखरवाले मन्दिर बनवाए ? (४२-४३)
४. चन्दू के मर जाने पर उसके पिताजी ने किस को जाँच करने की प्रार्थना की ? (३)

प्र.९ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : अँधेर खण्ड को उजाला दिया । (४६-४७)

१. पैंतालीस हज़ार मीलों का विचरण किया । **२.** षण्मुखानन्द हॉल में उनका प्रकट सम्मान किया गया । **३.** लंदन के मध्यभाग इज़्लींग्टन में बने मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा और कई विदेशियों को सत्संग की ओर अभिमुख किया । **४.** लगातार एक महीना लंदन में रहकर सत्संग के प्रचार करके वे भारत वापस लौटे । **५.** मोम्बासा के भव्य मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा करके अक्षरपुरुषोत्तम महाराज की स्थापना की । **६.** नैरोबी के राजमार्ग पर बने मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा की । **७.** लंदन के राजमार्ग पर पुलिस बैण्ड के साथ बड़ी धूमधाम से स्वागत-यात्रा निकाली गई । **८.** संवत् २०२६ में (सन् १९७०) योगीजी महाराज दूसरी बार विदेशयात्रा के लिए रवाना हुए । **९.** कंपाला, जींजा और टरोरो गाँव में उन्होंने मन्दिरों का निर्माण करके मूर्तिप्रतिष्ठा संपन्न की । **१०.** मुक्तराज हरमानभाई के समाधिस्थान पर चरणारविन्द स्थापित किए । **११.** चार विद्वान सन्तों को अमरीका भी भेजा । **१२.** छः देशों के कुल एक सौ तीन गाँवों में विचरण किया । हजारों मुमुक्षुओं को सत्संग की ओर आकर्षित किया ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० प्रथम मिलन (१३, १५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. सम्मान समारभ्भों के दौरान योगीजी महाराज अपनी गुरुभक्ति और कर्तव्य परायणता को कभी भूले नहीं । (४८)
२. योगीजी महाराज को सखत पीड़ा हो रही थी । (३२) ३. हमें आग जैसा होना चाहिए । (५२)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. हमें बचपन से ही क्यों भगवान का भजन करने की आदत डालनी चाहिए ? (८) २. मुक्तानन्द स्वामी क्यों उदास रहते थे ? (२४)
३. स्वामिनारायण मंत्र का भजन कब करना चाहिए ? (४४) ४. प्रार्थना करते समय किसका स्मरण करना चाहिए ? (११)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. जोधा अहीर (३४)
(१) ☐ नानी बराई (२) ☐ गढ़पुर (३) ☐ मक्खन (४) ☐ खीर
२. वीर भगुजी (२८-२९)
(१) ☐ वस्ता खाचर (२) ☐ सच्चिदानन्द स्वामी (३) ☐ भाणखाचर (४) ☐ कबूतर की विष्टा
३. शास्त्रीजी महाराज (५५)
(१) ☐ जन्म संवत् १९२२ (२) ☐ संवत् १९३९ दीक्षा (३) ☐ मिट्टी के मन्दिर (४) ☐ संवत् २००९ अंतर्धान
४. विजापुर की वजीबाई (६८-७१)
(१) ☐ सतवारा जाति (२) ☐ पीपल का पेड़ (३) ☐ रामानन्द स्वामी (४) ☐ पुरानी गद्दी

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **[४]**

१. श्रीहरि ..... का पात्र लेकर ..... भक्त के स्वागत के लिए दौड़े । (६२)
२. सामत पटेल ..... रुपये लेकर ..... के पास आ पहुँचे । (४८) ३. अजामिल के घर ..... पधारे । (२)
४. पानी हमेशा ..... से ही पीने की ..... डालनी चाहिए । (६७)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **[८]**

१. आईए प्रभु ! पीढ़े ..... आमरस भरी है। (३३) २. उत्तिष्ठोत्तिष्ठ हे नाथ ! ..... समुखो भवः (१७)
३. किया शुभ यज्ञ ..... क्षोभ कोई हमें (शौर्यगीत) ४. जय सद्गुरु स्वामी ..... दुःख-होरी (२६)

प्र.१६ 'यदि कोई भगवान का' (४५-४७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रंदह पंक्तियाँ)** **[५]**

प्र.१७ 'गंगा माँ' (२०-२२) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।)** **[५]**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ जुलाई, २०१४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm